



दैनिक

समाज जागरण

TITLE CODE : UPHIN49919



नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 1 अंक: 004 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 19 अक्टूबर 2022 http://samajjagran.in पेज:12 मूल्य 05 रुपया

माता पिता गुरु के वचन का पालन करने पर शीघ्र प्रसन्न होते भगवान : नीलमणि माधव

ब्रजेश दुबे, दैनिक समाज जागरण

गड़वार (बलिया) : क्षेत्र के श्री जंगली बाबा धाम पर उड़िया बाबा विश्व कल्याण संस्थान व स्वामी परमेश्वरानन्द सरस्वती (उड़िया बाबा) के सानिध्य में चल रहे सात दिवसीय महारुद्र यज्ञ में पधारे कथावाचकों का प्रवचन चल रहा है।

दूसरे दिवस प्रयागराज से पधारे कथाव्यास नीलमणि माधव (प्रपनाचार्य) ने अपने संगीतमय कथावाचन में प्रवचन पंडाल में उपस्थित श्रोताओं से कहा कि जिस व्यक्ति ने अपने माता पिता गुरु के वचनों का अक्षरशः पालन करता है तथा शास्त्र के नियमों के अनुसार व्यवहार करता है, उस पर भगवान अतिशीघ्र प्रसन्न होते हैं। कहा कि भगवान की कथा से जिसकी गुणित हो गई उसने अभी भगवान के रस विशेष, माधुर्य को समझ नहीं



पाया है। कहा कि सत्य असत्य के ज्ञान के लिए विवेक का प्रयोग करना होगा। जिससे मनुष्य भवसागर पार कर पाएगा। कहा कि जो पुरातन होकर भी नवीन है वह पुराण है। कलियुग में मात्र भगवान के नाम स्मरण से मानव भवसागर पार कर जाएगा।

श्रोतागण प्रवचन को सुनने के लिए जमे रहे।

जम्मू कश्मीर में गुर्जर समाज के आरक्षण के साथ छेड़छाड़ हुआ तो देश में आन्दोलन छिड़ जाएगा- मुखिया गुर्जर

दैनिक समाज जागरण

देव मणि शुक्ल ब्यूरो प्रभारी नोएडा अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा और पथिक सेना द्वारा प्रेस क्लब नोएडा में एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।



तो पूरे देश का गुर्जर सड़कों पर ऐसे उतरेगा जैसे राजस्थान के गुर्जरों के समर्थन में पूरा देश जाम हो गया था। गुर्जर समाज अपने भेद बकरियों के साथ याबावरी और घुमंतू जीवन जी रहा है, सन 1991 में चन्द्रशेखर जी ने प्रधानमंत्री रहते इनकी शैक्षणिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, और सामाजिक स्थिति दयनीय देख कर इनका जीवन स्तर समाज और राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु अनुसूचित जनजाति में शामिल कर आरक्षण दिया था, परन्तु बिना मापदंड पूरे किये चोटों के लालच में सभी पहाड़ियों को आरक्षण दिया जाएगा तो गुर्जर समाज आरक्षण से वंचित हो जायेगा।

अपने घोषित निर्णय पर केन्द्र सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार करे, इसलिफ आगामी 1- नवम्बर 2022 को पथिक सेना एवं अखिल भारतीय वीर गुर्जर महा सभा के संयुक्त तत्वावधान में जन्म-मन्तर दिल्ली में धरना-प्रदर्शन कर, मान्य प्रधानमंत्री जी एवं गृहमंत्री जी को ज्ञापन सौंपें।

प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के संस्थापक नरेंद्र गुर्जर ने बताया कि धरना-प्रदर्शन पूरी तरह अनुशासित एवं शान्तिपूर्ण रहेगा और हमने जन्म-मन्तर पर धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति ले ली है। इस प्रदर्शन में जम्मू कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब के गुर्जर समाज के लोग उपस्थित रहेंगे। जिसके लिए इन प्रदेशों के गांव गांव में बैठकें करके लोगों से संपर्क किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग गुर्जर, डॉक्टर मुशर्रत गुर्जर, श्याम सिंह भाटी, परविंदर सिंह मोहित नागर, नीतीश भाटी, एकलव्य बैसला उपस्थित थे।

अपने घोषित निर्णय पर केन्द्र सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार करे, इसलिफ आगामी 1- नवम्बर 2022 को पथिक सेना एवं अखिल भारतीय वीर गुर्जर महा सभा के संयुक्त तत्वावधान में जन्म-मन्तर दिल्ली में धरना-प्रदर्शन कर, मान्य प्रधानमंत्री जी एवं गृहमंत्री जी को ज्ञापन सौंपें।

प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के संस्थापक नरेंद्र गुर्जर ने बताया कि धरना-प्रदर्शन पूरी तरह अनुशासित एवं शान्तिपूर्ण रहेगा और हमने जन्म-मन्तर पर धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति ले ली है। इस प्रदर्शन में जम्मू कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब के गुर्जर समाज के लोग उपस्थित रहेंगे। जिसके लिए इन प्रदेशों के गांव गांव में बैठकें करके लोगों से संपर्क किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग गुर्जर, डॉक्टर मुशर्रत गुर्जर, श्याम सिंह भाटी, परविंदर सिंह मोहित नागर, नीतीश भाटी, एकलव्य बैसला उपस्थित थे।

अपने घोषित निर्णय पर केन्द्र सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार करे, इसलिफ आगामी 1- नवम्बर 2022 को पथिक सेना एवं अखिल भारतीय वीर गुर्जर महा सभा के संयुक्त तत्वावधान में जन्म-मन्तर दिल्ली में धरना-प्रदर्शन कर, मान्य प्रधानमंत्री जी एवं गृहमंत्री जी को ज्ञापन सौंपें।

प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के संस्थापक नरेंद्र गुर्जर ने बताया कि धरना-प्रदर्शन पूरी तरह अनुशासित एवं शान्तिपूर्ण रहेगा और हमने जन्म-मन्तर पर धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति ले ली है। इस प्रदर्शन में जम्मू कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब के गुर्जर समाज के लोग उपस्थित रहेंगे। जिसके लिए इन प्रदेशों के गांव गांव में बैठकें करके लोगों से संपर्क किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग गुर्जर, डॉक्टर मुशर्रत गुर्जर, श्याम सिंह भाटी, परविंदर सिंह मोहित नागर, नीतीश भाटी, एकलव्य बैसला उपस्थित थे।

दीपावली पर "लोकल फॉर वोकल" को तरजीह देकर देशी उत्पादों को महत्व दें - कुच्छल

देव मणि शुक्ल ब्यूरो प्रभारी

नोएडा उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा इकाई के अध्यक्ष नरेश कुच्छल व चेयरमैन राम अवतार सिंह ने मीडिया को जारी बयान में व्यापारियों सहित आम नागरिकों से आह्वान किया है कि वे इस दीपावली को हलोकल फॉर वोकल को तरजीह देकर देशी उत्पादों को महत्व दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि आम जन मिट्टी और गांव के गोबर से बने दीपक ही खरीदें। लक्ष्मी व गणेश की मूर्ति भी मिट्टी की बनी हो, तो उसे पूजा के लिए इस्तेमाल करें।

अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने व्यापारियों से अनुरोध किया है कि दीपावली त्योहार के मद्दे नजर दुकानों के बाहर की जाने वाली साज-सज्जा भीतर तक ही लगाएं जिससे सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों को कोई परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था में शांति भंग न हो। उन्होंने जिला प्रशासन व पुलिस विभाग से अनुरोध किया है कि त्योहारों के मद्देनजर व्यापारियों के द्वारा देर तक बाहरी क्षेत्रों से माल लाया जाता है। ऐसे में सुरक्षा दृष्टिकोण से विशेष पुलिस गश्त बढ़ाया जाना चाहिए ताकि उन्हें कोई परेशानी का सामना करना ना पड़े। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से अनुरोध किया कि वह माल की लोडिंग करने तथा माल उतारने के लिए बड़े-बड़े वाहन मुख्य सड़क पर देर तक खड़े न करें, इससे जाम लगने की

संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने शहर के व्यापारियों की तरफ से कहा की दीपावली रोशनी के महाहर्ष के साथ आपसी भाईचारा का त्योहार है। इस मौके पर सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के साथ ही शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस झू प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

चेयरमैन राम अवतार सिंह ने बताया कि दीपावली का पर्व सभी पर्वों में एक विशेष स्थान रखता है। हमें अपने पर्वों की परंपराओं को हर स्थिति में सुरक्षित रखना चाहिए। परंपराएं हमें संस्कृति प्रारंभ व उद्देश्य की याद दिलाती है। परंपराएं हमें उस पर्व के आदि काल में पहुंचा देती है, जहां हमें अपनी आदिकालीन संस्कृति का ज्ञान होता है। आज हम अपने त्योहारों को भी आधुनिक संख्या का रंग दे कर मनाते हैं, परंतु इससे हमें उसके आदि स्वरूप को बिगाड़ना नहीं चाहिए। हम सब का कर्तव्य है कि हम अपने पर्वों की पवित्रता को बनाए रखें।

रोजर बिन्नी बने बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, सौरव गांगुली की विदाई।

दैनिक समाज जागरण

(हरेश उपाध्याय)नयी दिल्ली: आज मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की आम वार्षिक बैठक में फैसला लिया गया 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी अब नए रोल में नजर आयेगे। उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। रोजर बिन्नी पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की जगह लेंगे इस तरह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को नया अध्यक्ष मिल गया पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की विदाई हो गई। अब उनकी जगह रोजर बिन्नी नए अध्यक्ष बने रोजर 1983 वर्ल्ड कप विजेता

साल के रोजर बिन्नी बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे। उनके अलावा किसी ने नामांकन नहीं किया था। ऐसे में बिन्नी को एजीएम में निर्विरोध चुना गया। जय शाह को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पुनः सचिव चुना गया। इन दोनों के अलावा जिन अन्य पदाधिकारियों को निर्विरोध चुना गया। उनमें कोषाध्यक्ष अशोष शेलार, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया शामिल हैं। निवर्तमान कोषाध्यक्ष अरुण धूमल को अर्भिक डालमिया के साथ आईपीएल संचालन परिषद में जगह मिली है। धूमल आईपीएल के नए अध्यक्ष होंगे।

विद्यालय में प्रधान हनुमान रावतद्वारा वितरण की गई कापियां किये गया वृक्षारोपण

सरोजिनी नगर लखनऊ ब्लॉक अंतर्गत मझिगांवां ग्राम स्थित प्राइमरी विद्यालय प्रांगण में ग्राम प्रधान हनुमान प्रसाद द्वारा दीपावली के पावन पर्व बच्चों को उत्साहवर्धन हेतु कापियां कटर पेंसिल रबर का वितरण ग्राम प्रधान द्वारा किया गया इस अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाकर ग्राम में नालियों की साफ-सफाई ग्राम प्रधान की उपस्थिति में कराई गई ग्राम प्रधान द्वारा चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों के समक्ष हमारे भारत देश को निर्मल पावन संपन्न बनाने हेतु स्वच्छ भारत अभियान हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी ने किया उन्होंने के निर्देशानुसार ग्राम में स्वच्छता अनवरसफाई कमी द्वारा प्रारंभ है तथा इस पावन पर्व पर अपने अपने घर में स्वच्छ अवश्य लगाएं लेकिन दीपावली के पावन पर्व पर विशेष रूप से स्वच्छता को परम लक्ष्य मानकर ग्राम में स्वच्छता चल रही है वही क्षेत्र के समाजसेवी अजय रावत द्वारा बताया गया कुछ ग्राम सभाओं में ग्राम सभामें गौशाला ना होने के चलते आपसपास के लोगों को काफ़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है आप दिन कड़ी मेहनत और परिश्रम से किसानों द्वारा फसल लगाने के बावजूद जानवर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं

सरकार ने दिवाली पर दिया जबरदस्त तोहफा, अब सभी संविदा कर्मचारी होंगे नियमित

संविदा कर्मचारियों के लिए जबरदस्त खुशखबरी है. सरकार ने हमेशा के लिए संविदा नियुक्ति प्रथा का अंत कर दिया गया है. इस घोषणा के बाद प्रदेश के अलग-अलग सरकारी संस्था में संविदा पर नियुक्त 57 हजार से अधिक कर्मचारियों को नियमित कर्मचारी बनाया जाएगा.

संविदा कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है. इस दिवाली सरकार ने बड़ा ऐलान किया है. अब सरकार संविदा प्रथा का अंत कर रही है, यानी अब सभी कर्मचारियों को नियमित कर दिया जाएगा. इससे संविदा कर्मचारियों में जबरदस्त खुशी की लहर है.

सरकार ने किया बड़ा ऐलान

दरअसल, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अपने जन्म दिन से पहले प्रदेश से संविदा प्रथा का अंत करने की घोषणा की है. सरकार ने राज्य वासियों को दीपावली का बड़ा तोहफा देते हुए ये ऐलान किया है कि अब प्रदेश में कोई भी संविदा पर काम नहीं करेगा. इसके तहत अभी जितने भी संविदा कर्मचारी हैं उन्हें नियमित कर दिया जाएगा.



57 हजार से अधिक संविदा कर्मचारी होंगे नियमित

नवीन पटनायक दिवाली से पहले ऐलान करते हुए कहा है कि ओडिशा से हमेशा के लिए संविदा नियुक्ति प्रथा का अंत कर दिया गया है. इस घोषणा के बाद प्रदेश के अलग-अलग सरकारी संस्था में संविदा पर नियुक्त 57 हजार से अधिक कर्मचारियों को नियमित कर्मचारी बनाया जाएगा. आपको बता दें कि इससे राज्य सरकार पर अतिरिक्त 1300 करोड़ रुपये भार आएगा.

कैबिनेट बैठक में सरकार ने लिया बड़ा फैसला

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए. अब तक मिली जानकारी के अनुसार, सरकार की तरफ से इस संबंध में रविवार को विधिवत विज्ञापित प्रकाशित

की जाएगी.

कर्मचारियों की जगमग हुई दिवाली

मुख्यमंत्री के इस ऐलान के बाद प्रदेश के मौजूदा संविदा कर्मचारियों में जबरदस्त खुशी देखने को मिल रही है. दिवाली के ठीक पहले हुए इस ऐलान के बाद संविदा कर्मचारियों ने जश्न मानना शुरू कर दिया है.

कुत्तों का कहर! नोएडा अर्थॉरिटी पर फूटा लोगों का गुस्सा.

दैनिक समाज जागरण

(हरेश उपाध्याय) नोएडा- कुत्तों का कहर! बच्चों को मरने के लिए नहीं छोड़ सकते नोएडा अर्थॉरिटी पर फूटा लोगों का गुस्सा। अगर अर्थॉरिटी अपनी कही बात को पूरी नहीं करती, तो हम फिर प्रदर्शन करेंगे। सोसायटी में 11 कुत्ते हैं और बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। लोग स्ट्रे डॉग्स से परेशान हैं। नोएडा में कुत्ते के काटने से एक साल के बच्चे की मौत के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। नोएडा सेक्टर 100 में लोगों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया और सड़क जाम की। नोएडा अर्थॉरिटी की ओएसडी इंदु प्रकाश ने कहा कि नगर निगम जल्दी ही स्ट्रे डॉग्स के लिए 4 शेल्टर होम बनाएगा। इंदु प्रकाश ने कहा कि हम स्ट्रे डॉग्स के लिए 4 शेल्टर होम बनाए जा रहे हैं। कार्य प्रगति पर है। हमने साल 2017 में कुत्तों की नसबंदी शुरू की थी और 40,000 कुत्तों की नसबंदी



अब तक की जा चुकी है। जिस तरह हमने गावों के लिए शेल्टर होम बनाए उसी तरह कुत्तों के लिए भी हम शेल्टर होम बनवाएंगे। यद्यपि नोएडा में हाउसिंग सोसायटी के लोग अर्थॉरिटी के इस आश्वासन से नाखुश दिखे और उन्होंने अपना प्रदर्शन जारी रखा। यहां के एक स्थानीय निवासी ने कहा कि हम अर्थॉरिटी से संतुष्ट नहीं हैं। स्ट्रे डॉग्स शेल्टर होम में जा रहे हैं लेकिन जब वो वापस आते हैं तो उनमें कोई बदलाव नहीं होता है। हम इस मुद्दे को साल 2018 से ही उठा रहे हैं

नगर पंचायत मऊ में दशहरा मेले का भव्य आयोजन हुआ!

(संवाददाता) विवेक कुमार समाज जागरण!

मोहनलालगंज नगर पंचायत मऊ में श्री बंशी बाबा राम लीला एवं दशहरा मेला समिति द्वारा आयोजित दशहरा मेले का भव्य आयोजन किया गया जिसमें लक्ष्मण शक्ति भरत हनुमान मिलाप, कुंभकरण वध



मेघनाथ वध एवं प्रभु श्री राम द्वारा रावण के वध का मंचन किया गया तत्पश्चात रावण के पुतले का दहन किया गया वैसे तो दशहरा मेला विजयदशमी को हर वर्ष मनाया जाता था लेकिन इस वर्ष विजयदशमी के दिन भारी वर्षा होने के कारण कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था दिन सोमवार को शेष रामलीला का मंचन किया गया तत्पश्चात दशहरा मेले का भव्य आयोजन किया गया मेले को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला भारी संख्या में लोगों ने पहुंचकर मेले का आनंद लिया वहीं दुकानदारों ने बताया इस बार मेले में जबरदस्त भीड़ होने के कारण हम लोगों की आमदनी भी काफी अच्छी हुई वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ वही दिन मंगल वार को वंशी बाबा ग्राउंड में राम की राजगद्दी का भव्य आयोजन किया गया मौजूद सभी भक्तों ने प्रभु श्री राम एवं माता जानकी की आरती उतारे हुए मौजूद सभी भक्तों ने जय कारे लगाए उनके जयकारों से पूरा प्रांगण गुंजायमान हो उठा उसके पश्चात समित के कलाकारों द्वारा बहुत ही सुंदर नाटक का भी आयोजन किया गया वही ग्रामीणों ने बताया समिति के सभी कलाकारों द्वारा बहुत ही सुंदर रामलीला का मंचन किया गया जिसकी सभी ने सराहना की इस मौके पर कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा उर्फ बरती डायरेक्टर राकेश कुमार गुप्ता सुनील कुमार मिश्रा उर्फ फुल्लन पूर्व प्रधान प्रदीप कुमार गुप्ता अरुणेश प्रताप सिंह उर्फ दल्लू शिव अटल सिंह राजू कुरेशी त्रिलोकी यादव इंद्र बहादुर सिंह राजेश मिश्रा शिवकुमार तिवारी उर्फ लल्लन तिवारी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय पाण्डेय उर्फ सत्यम शिवम पांडे एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश सिंह भंडारी एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष सुधाशु सिंह ने पहुंचकर सभी का उत्साह वर्धन किया



दिल्ली दंगों में लिप्त उमर खालिद जेल में ही रहेगा, जमानत याचिका खारिज

दैनिक समाज जागरण

(हरेश उपाध्याय) नयी दिल्ली- दिल्ली दंगों में लिप्त आरोपी उमर खालिद को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। दिल्ली दंगों में उमर खालिद पर साजिश रचने का आरोप है जिसके कारण उसे 13 सितंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया था। उमर खालिद इसके बाद से ही जेल में बंद है। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका मंगलवार को नामंजूर कर दी है। फरवरी 2020 में नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में दंगा भड़का था। इस दंगे को लेकर जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र उमर खालिद पर संगीन आरोप लगे हैं। 13 सितंबर 2020 को दिल्ली में हुए दंगों के मामले में उमर खालिद पर यूएपीए के तहत केस दर्ज किया गया था। जस्टिस सिद्धार्थ मुदुल और रजनीश भट्टनगर की स्पेशल बेंच ने उमर खालिद की जमानत याचिका पर आदेश जारी किया। इससे पहले 9 सितंबर को उसकी जमानत याचिका पर आदेश को सुरक्षित रख लिया गया था। इससे पहले जमानत याचिका पर जब अदालत में सुनवाई हुई थी, तब दिल्ली पुलिस ने अपनी दलील में कहा था कि उमर खालिद पूरी दिल्ली को जाम करना चाहते थे। ज्ञातव्य ही कि चर्चित दिल्ली दंगों के



आरोपी खालिद की तरफ से अदालत में दलील दी गई थी कि इस हिंसा में उसकी कोई आपराधिक भूमिका नहीं है। इतना ही नहीं उमर खालिद ने यह भी कहा था कि दंगों के किसी भी आरोप के साथ उसका कोई आपराधिक संबंध नहीं है। लेकिन अदालत ने फिलहाल उमर खालिद को राहत देने से इनकार कर दिया। खालिद, शरजील इमाम और कई अन्य पर फरवरी 2020 के दंगों के कथित 'मुख्य साजिशकर्ता' होने के नाते अवैध गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यहां इस दंगे में 53 लोगों की जान चली गई थी और 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

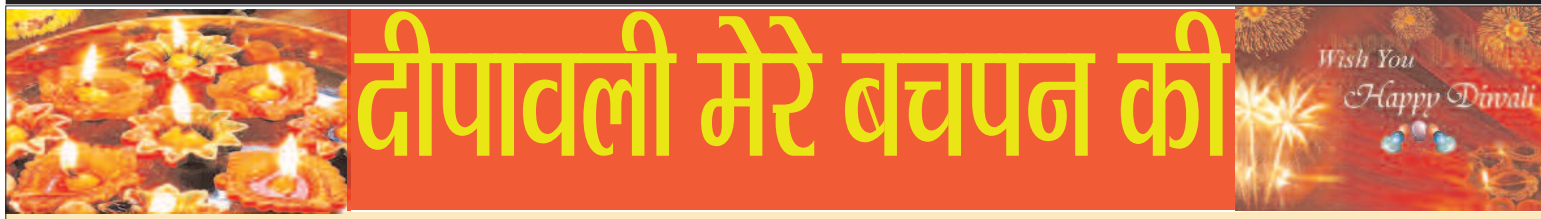
कला और कलाकारों को हमेशा एक अच्छे मंच की तलाश, हुनर बाजों को हमेशा करते रहेंगे सहयोग : जयंत मनहर

समाज जागरण संवाददाता विवेक देशमुख

सिपत। क्षेत्र के ग्राम पंचायत कनई में स्वर्गीय समार सिंह जगत जी के स्मृति में आयोजित एक दिवसीय डांस प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयंत मनहर उपस्थित रहे। जिन्होंने डांस प्रतियोगिता कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आयोजन का आनंद लेने पहुंचे ग्रामीणों को और प्रतिभावान प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए कहा कि कला और कलाकारों को हमेशा एक अच्छे मंच की



तलाश रहती है हुनर बाजों को हमेशा सहयोग करने की बात कहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे कांग्रेस नेता जयंत मनहर के साथ प्रदेश सचिव रवि श्रीवास, संतोष भोई, श दुर्गा तिवारी, विजय गुप्ता, उमेश चंद्राकर, मनोहर पात्रे, भागीरथी पोते, श्रीमति-प्रमिला सुरेश महंत, धनी दास, रोशन जायसवाल और घनश्याम नेताम उपस्थित रहे।



मेरे बचपन की दिवाली



प्रमोद उपाध्याय
वरिष्ठ पत्रकार
बलिया

बलिया। धन्य है हमने भारत भूमि जन्म लिया है व इसकी भूमि व परंपराएं। 5 दिन पूर्व ही शुरू होने वाला यह पर्व धनतेरस से शुरू होता है। धनतेरस में घर को स्वच्छ रखने हेतु झाड़ू खरीदने की परंपरा है। धातु के बर्तन भी खरीदे जाते हैं। अगले दिन नरक चतुर्दशी होता है जिसमें रात्रि भोजन के पश्चात हम लोग यम देवता को दीपक अर्पित करते हैं। यह परंपरा आज भी चली आ रही है।

गाय के पवित्र गोबर से लीपकर दीपावली के दिन महालक्ष्मी व गणेश की पूजा मिट्टी के पावन दीप जलाकर होता है। यह पवित्र प्रकाश चारों ओर फैले अंधेरे को दूर करता है। इसके सुगंध से वातावरण में कीट- पतंगें आदि समाप्त हो जाते हैं। विविध प्रकार की रोशनी से चारों ओर का वातावरण जगमगा उठता है। इधर कालांतर में इसका स्वरूप बदल चुका है। लोग इस अवसर पर तेज आवाज वाले पटाखे व बारूदी दुर्गंध वाले आग्नेय खिलौनों का इस्तेमाल करते हैं जो पर्यावरण के लिए अति घातक है। मैं तो शुरू से ही अत्यंत सादगी से

पारंपरिक रूप से दिवाली मनाते आया हूँ। इसके विपरीत अतिशय आवाज व बारूदी दुर्गंध से जहां पर्यावरण प्रदूषित होता है वहीं बेजुबान पशु - पक्षी भी डरकर सहम जाते हैं।

दीपोत्सव ज्ञान के प्रकाश को फैलाने का पर्व है। दीपावली के दूसरे दिन 3 बजे भोर से ही महिलाएं - पुरुष द्वारा लोहे की हसियां से सूप बजाकर दरिद्र भगाने का प्रक्रम चलता है। सुबह होते ही बचपन में हम लोग मिट्टी के बचे दीपक एकत्र करना शुरू कर देते थे और फिर उसे तराजू बना खेलेते थे। फिर गोवर्धन पूजा के दिन बहन अपने भाइयों को कूटी, मिठाई, खील, बताशे आदि खिलाती हैं। मुझे भी बहनो के द्वारा खाने को मिलता है। रंगोली भी बनाई जाती है। 5 दिनों तक चलने वाला यह पावन पर्व जबरदस्त उत्साह भरा होता है। क्या बच्चे , युवा, बुजुर्ग। सभी इस पर्व की तैयारी बड़ी जोर-शोर से कहते करते हैं। संपूर्ण वातावरण गुलजार व रोशन रहता है। देवत्व की अनुभूति कराता यह पर्व वास्तव में संपूर्ण विश्व में हिंदू धर्म का महापर्व है जो सभी पर्वों पर भारी पड़ जाता है।

दीपोत्सव के महापर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

मेरे बचपन की दीपावली-----



शरद पांडेय, सचिव
जिला अधिवक्ता संघ,
रायगढ़ (छ. ग.)

बचपन में हम दीपावली ,अपने पैतृक निवास खरसिया में, जो जिला मुख्यालय रायगढ़ से ४० कि. मी. की दूरी पर है, एकत्र होते थे। आज भी याद आता है गोबर से आंगन को लीपकर उस पर रंगोली बनाना, शाम को एक साथ घंटा एवम शंखनाद के बीच उससे उच्च स्वर में मां लक्ष्मी एवम श्री जगदीश जी की आरती का गान करते प्रसाद की थाल पर से मन को दूर रखने का प्रयास करना, पूजा के बाद फुलझड़ी जलाने की जल्दबाजी में प्रसाद का छूटना।

नए कपड़ों की कभी चाह नहीं रही। दिवाली की सुबह बड़े पिताजी के साथ हलवाई की दुकान जाकर बानगी लाना याद आता है, जिसमें बताशा, मसूरपाक, बालूशाही, पेड़ा, खाजा, बूंदी के लड्डू जैसी कई प्रकार की मिठाइयां मिलाकर तौली जाती थी।

थोड़ा बड़ा होने पर घर की पूजा के बाद अपने बड़े पिता के साथ उनके यजमान के घर जाकर पूरी रात श्री विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना और बड़े पिता को प्राप्त दक्षिणा में अपना हिस्सा पाना आज भी याद आता है।

अगले दिन पूरे मोहल्ले में प्रसाद का आदान प्रदान भी काफी रोचक लगता था जिसमें मेरी बड़ी मां, किसके घर से क्या आया है और उसकी थाली में क्या वापस डालकर भेजना है का बखूबी ध्यान रखती थी।

अब तो आत्मीयता के नहीं औपचारिकता के त्योहार रह गए हैं।

हमारे बचपन की दिपावली-----



ममता सिंह पती स्व
गौरी भइया
(पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार)
सागरपाली-बलिया

दिपावली पर्व आरंभ से ही खुशी एवं हर्ष का त्यौहार रहा है लेकिन समय के साथ लोगों ने अपनी सुविधानुसार परिवर्तन किया है। हम अपने बचपन में पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह त्यौहार सीमित संसाधनों में भी बहुत उत्साह के साथ मनाते थे। हम दिवाली के दो दिन पहले तक घर की साफ-सफाई कर देते थे क्योंकि मान्यता है कि छोटी दीवाली के दिन घर में लक्ष्मी माता का आगमन होता है। बड़ी दीवाली के दिन चीनी से बनी अनेक आकृतियों वाली मिठाइयां हमारी खुशी का कारण बनती थी। पूजा के बाद मिट्टी के दीयों को पूरा घर के कोने-कोने में जलाने के लिए सभी बच्चों में प्रतिस्पर्धा होती थी कि कौन कितना ज्यादा दिया जला पाता है एवं अगले दिन उन्हीं दीयों से तराजू बनाया जाता था। दिवाली के दिन छत के एक कोने में मिट्टी का घर बनाने की एवं संध्या पूजन के बाद उसमें अनाज और मिठाइयां भरने की परम्परा रही है। लड़कियों में अपने घर को सबसे सुंदर सजाने की होड़ लगी रहती थी। हमारे समय में पटाखों का प्रचलन नहीं रहा है हम इन्हीं परम्पराओं में बहुत खुश रहे हैं।

हमारे बचपन की दीपावली-----

"वो भी क्या दिन थे...!?!"



डा. अरुण सिंह "गामा"
निदेशक, सनबीम स्कूल बलिया

शायद फिर नहीं वापिस लौटेंगे। "वो बचपन वाली दिवाली!" आज उम्र के इस पड़ाव पर आकर भी वो बचपन की मधुर यादें अक्सर ही मन के एक कोने में दस्तक दे ही जाती है और वो सारे विस्मृत पल फिर से आँखों में जीवन्त हो उठते हैं। जैसे हमारा बचपन वापिस नहीं लौट सकता ठीक वैसे ही वो दिवाली भी ना लौट सकेगी। कितना अलग था ना वो परिवेश हर छोटे-बड़े अवसर हम बच्चे ही क्यों पूरे गाँव भर के लिए ही उत्सव बन जाते। अमीरी - गरीबी के भेद-भाव से परे पूरा गाँव ही मद-मग्न दिखाई देता। हालांकि आप सब भी अनुभव करते होंगे कि आज सभी त्योहारों के रंग और उद्देश्य बदल गए हैं। कुछ यादें आप सभी के साथ साझा करना चाहता हूँ उसमें मुख्य रूप से पहला है घर की साफ-सफाई। आज जिसके पास साधन है वो झट से दिवाली के पहले पूरे घर का रंग-रोगन करा लेते हैं तो कुछ और इंटरियर्स डेकोरेटर से पूरे घर का नक्शा पलट करा डालते हैं और बाकि के बचे लोग घर के सदस्यों के सहयोग से नोक-झोंक, खिंचातानी करते अंततः पूरे घर की सफाई कर ही ले जाते हैं।

सफाई तो होती थी साहब हमारे जमाने में जब रंग नहीं पीली मिट्टी का उपयोग कर घर को चमकाया जाता था क्योंकि दीवारों भी मिट्टी की और घर के फर्श भी मिट्टी के ही.. दिवाली के एक माह पूर्व ही घर के बड़े लोग गंगा किनारे से बैलगाड़ी में भर कर पीली मिट्टी घर में इकट्ठा कर देते और समय समय पर पानी का छिड़काव कर उसे मुलायम किया जाता और फिर पुराने कपड़े का पोचारा बनाकर घर की दीवारों को रंगा जाता। घर के सभी सदस्यों में घर के अलग अलग हिस्से की जिम्मेदारी सौंप दी जाती। मसलन बंगला, गौशाला और बरामदा पुरुषों के हिस्से और ड्योडी के अन्दर का हिस्सा महिलाओं का। पीली मिट्टी में गोबर मिलाकर अन्तिम यानि फाइनल टच दिया जाता।

हम बच्चों के पास तो अपने अलग ही उत्साह के स्रोत थे क्योंकि दिवाली के ठीक पहले गंगा जी बाढ़ के बाद नदी किनारे नई, मुलायम बिल्कुल लैनु (दही के ताजे मक्खन) की तरह मिट्टी छोड़ जाती और हम बच्चों को तो प्रकृति की जैसे नेमत ही मिल जाती, हम मे से प्रसिद्ध बाल कलाकार अपनी सोच और कौशल के अनुसार खिलौने और मूर्तियां गढ़ने की पारम्परिक प्रतियोगिता में अनायास ही शामिल हो जाते और कुछ हम जैसे उभरते कलाकार माटी के दीये और ढंकनी बनाकर ही खुश हो लेते। कांच की गोली थोड़ी महंगी पड़ती अर्थात तब उसका मूल्य भी हमरी जेब की मुद्रा से जरा भारी ही पड़ जाता सो मिट्टी की ही गोली भी बना लिया करते।

हमारे समय में मिट्टी से बने हुए अलग-थलग आकार और डिजाइन के बहुमंजिला इमारतों का भी खूब प्रचलन था और बच्चों में सबसे बेहतर करने की होड़....। गांव के कुम्हार की पाट भी एक महीने पहले से ही तीव्र गति से घूमना शुरू कर देती और कुछ प्रसिद्ध खिलौने जैसे मिट्टी के बर्तन, जांत, घंटी, चूल्हा चाकी, हाथी, घोड़े, ऊंट और सिपाही बहुतायत में बनकर और कुम्हार की आव में पकने के साथ ही दैनिक हाट की शोभा बढ़ाने के लिए मुस्तेदी से आ डटते। एक खांची (बांस की कोईन से बने हुई टोकरा) खिलौनों के बदले कुम्हार सेर - 2 सेर अनाज ही जुटा पाता था क्योंकि मुद्रा का चलन जरा कम ही था।

त्योहारों में धर्मांधता और व्यवसायिकरण नहीं होने से गणेश - लक्ष्मी जी की पूजा का भी कोई विधान नहीं था।

हाँ हम बच्चों को खुटकी, बताशे, पटऊरा तथा चीनी के बने चुक्का - भरूका भी कुछ कम नहीं लुभाते थे। हालांकि आप इसे ग्रामीण अंचल की विश्व प्रसिद्ध मिठाई भी कह सकते हैं क्योंकि इन्होंने अभी तक अपनी मौलिकता और मौजूदगी दोनों को ही बरकरार रखा है।

दिवाली की शाम आते ही बर्रे के तेल में डूबी पुराने कपड़ों की बनी बाती की गमक और दीये की जगमगाहट से पूरा गांव ही रौशन हो उठता। हालांकि दिवाली का अगला दिन भी हमारे लिए कम व्यस्तता लेकर न आता जब हम अपनी ही धून में गांव में घूम घूम कर जले हुए दियों की कालिख और बाती साफ कर टेकुई से छेद कर तरजूई बनाने की जुगत में वापिस भिड़ने लग जाते।

आज भी त्योहारों पर खुब रौनक रहती है पर वो बचपन वाली निश्छल मुस्कान फिर से चेहरे पर आ नहीं पाती।

जाने कहाँ गये वो दिन.....!?!
जरा सा रुक कर सोचिएगा जरूर.....

बैठकों भारतीय समाज और यौन अपराध

बाहर कॉलेज की आवाज पर दरवाजा खोला तो मास्टर साहब, मुखियाजी, सुरेंद्र भाई, पारस नेता खड़े थे। आदर सहित सभी लोगों को बैठकखाने में बैठाया और स्वयं भी जम गया।

आज आसमान बादलों से घिरा है लगता है जबरदस्त बारिश होने वाली है -- पारस नेता ने आशंका व्यक्त की।

कहिये मुखियाजी! कोई नया समाचार लाये हैं क्या? -- पारस नेता की बात को दरकिनार करते हुए सुरेंद्र भाई, मुखियाजी को उसकाये

रेप और जबरन यौन उत्पीड़न तो आदिकाल से होता आया है लेकिन आज की तरह व्यापकता लिए और विभक्त नहीं था शहर की बात छोड़िये देहातों में तो शायद ही ऐसी घटनायें होती होंगी लेकिन आजकल तो देहातों में भी ऐसी घटनायें देखी जा रही हैं --- पारस नेता ने अपना विचार रखा।

देखिये, आजकल सोसलमिडिया का प्रसार बहुत व्यापक हो चला है इस तरह की घटनाओं की सूचना तुरंत फैल जाती है लेकिन तभी सामने आती हैं जब कोई बड़ा हादसा होता है या पिड़ित पक्ष सामने लाता है अन्यथा लोग लोकलज्जा के डर से अधिकांश सामने लाते ही नहीं --- सुरेंद्र भाई बहस में भाग लेते हुए

हमरी बड़की नतिनिया पुणे में इंजीनियर है उहाँ अकेले रहत है व्यवस्था उहाँ सब ठीक ठाक हो तबो मनवा फिकर में रहत है ओकर विआह ले बेटवा लड़का खोजत हउवे बाकि का कहीं! इ रेप- सेप, अपहरण, हत्या के समाचारवा देख आ पढ़के मनवा बड़ा खराब हो जात है! --- मुखियाजी वाकई चिंतित लगे

ठीक कह रहे हो भाई! ये सब वाकई मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाएं हैं--- कुंवरजी, निराशात्मक भाव में थे।

तभी बेटी, चाय का ट्रे टेबल पर रख गयी और हम सभी एक- एक कप उठा लिये थोड़ी देर चुपची रही पुनः--

प्रो.साहब! आप तो समाजशास्त्री हैं। आप बतायें, ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं और इसका क्या निदान हो सकता है??? पारस साहब, खाली कप टेबल पर रखते हुए पुछ बैठे।

पहली बात तो ये समझ लें कि ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले मानसिक विकृति के होते हैं। प्रसिद्ध अपराध शास्त्री फ्रेडे ने अपने संशोधित सिद्धांत में स्पष्ट किया है कि 20% अपराधी जन्मजात होते हैं। खेर, ऐसे ही व्यवहारों को नियंत्रित करने के लिए सामाजिक नियंत्रण के दो साधन हैं- औपचारिक और अनौपचारिक। औपचारिक साधन-जैसे कानून, पुलिस, कोर्ट, जेल आदि। अनौपचारिक साधन-जैसे धर्म, परिवार, सामाजिक रीति-रिवाज, आदर्श आदि। मेरे ख्याल से यौन उत्पीड़न या अपराध जैसे अमानवीय कृत्यों के पिछे अनौपचारिक साधनों जैसे, धार्मिक, समाजिक, नैतिक मूल्यों का कमजोर पड़ना, दशाती है। कठोर कानून और कठोर दण्ड को इम्प्लिमेंट करने में व्यवहारिक विलम्बता भी



--प्रो.राजेन्द्र पाठक (समाजशास्त्री)

शाह के सामने नतमस्तक महादजी कि वंशज

महादजी सिंधिया एक जमाने में पेशवाओं के सबसे बड़े लड़ाका थे. उन्होंने अपने दुश्मनों के खिलाफ कभी घुटने नहीं टेके, शान से लड़ाइयां लड़ीं और जीतीं, लेकिन अब उनके खानदान के मौजूदा उत्तराधिकारी न सिर्फ लड़ना भूल गए हैं बल्कि उन्होंने घुटने टेकना तक सीख लिया है. वे ऐसे लोगों की श्रमंती करने लगे हैं जो किसी भी रूप में सिंधिया की विरासत के आगे नहीं टिकते.

इतिहासकार कौनी के अनुसार महादजी सिंधिया 18 वीं सदी में भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे महानतम सेनापति था और महानतम सरदार जी उन्होंने के दम पर मराठा साम्राज्य पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद मराठा साम्राज्य का पुनरुत्थान कर के अपने अगले सहयोग के बिना मराठा साम्राज्य के पुनरुत्थान संभव ही नहीं था।

पिछले दिनों ग्वालियर में सिंधिया के जयविलास पैलेस में आम जनता ने ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी बुधा यशोधरा राजे सिंधिया को अपने-अपने बच्चों के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सामने हाथ बांधे खड़े देखा. ग्वालियर में हवाई अड्डे विस्तार की योजना का शिलान्यास करने आये शाह के स्तुतिगान में सिंधिया लगभग चौखटे हुए देखे गए, उत्तेजना में उन्होंने शाह को आधुनिक लौह पुरुष तक कह दिया. सिंधिया शाह को आग्रह पूर्वक अपने महल भी ले गए और उनका पलक पांवड़े बिछाकर रेड कार्पेट स्वागत भी किया. तुरही बाजी, महाराष्ट्र के बैड बाजों ने केसरिया ध्वज के साथ शाह का स्वागत किया.

दरअसल कुछ साल पहले काँग्रेस छोड़ आये ज्योतिरादित्य सिंधिया आज भी भाजपा में अपने आपको असुरक्षित समझ रहे हैं. हालांकि भाजपा में उनके अनेक गाँडफादर हैं किन्तु वे शाह से आतंकित नजर आते हैं. उन्हें हमेंशा इंडी का भय सताता रहता है. अपने बेटे के राजनीति में प्रवेश का संकट भी उनके सामने है. भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता दो साल बाद भी सिंधिया को अपना नेता मानने को राजी नहीं हैं. ऐसे में उनकी विवशता है कि वे केंद्र में मोदी-शाह की जोड़ी की छत्रछाया में खड़े रहें.

राजनीति में सिंधिया खानदान की ये चौथी पीढ़ी है. किन्तु राजमाता विजयाराजे ने जिस शान से अपनी पारी पूरी की वो बेमिसाल है. वे आपने ससमय के मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र से टकरायीं. प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी से टकरायीं लेकिन उन्होंने किसी को अपने महल में बुलाकर पलक पांवड़े नहीं बिछाये वे आपातकाल में जेल गयीं लेकिन झुकी नहीं. राजमाता के पूत माधवराव सिंधिया ने राजनीति में आने

है। मित्रों, दुख होता है आजकी शिक्षा व्यवस्था को देख कर। आज हम अधिकाधिक अंक प्राप्त करने की शिक्षा पद्धति पर दौड़ रहे हैं, चाहे वो कक्षा प्रथम हो या आ-इंफ़ेस की तैयारी। नैतिक मूल्यों की शिक्षा हमारे पाठ्यक्रम में होता ही नहीं। --मैं मास्टर साहब की ओर देखकर बोला।

वैदिक काल या हमारे समानत संस्कृति में नैतिक मूल्यों को धार्मिक एवं सामाजिक व्यवहार से इस कदर संयोजा गया था कि यौन उत्पीड़न या अपराध की कल्पना भी नहीं की जाती थी लेकिन आज वो मूल्य रहे नहीं --- कुंवरजी ने अपनी चुप्पी तोड़ी।

भले ही राजनीतिक या धार्मिक कारणों से लोग कुछ भी कहें, लेकिन इस देश में आर एस एस द्वारा संचालित भारत की सबसे बड़ी शैक्षणिक संस्थान विद्याभारतीही जहाँ बच्चों के नैतिक मूल्यों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाता है जो आज के परिवेश में बहुत ही प्राथमिक और प्रसंसनीय है-- पारस नेता, घड़ी देखते हुए कह गये।

ये सब तो ठीक है लेकिन प्रश्न ऐसी घटनाओं के निदान का है। प्रो.साहब! निदान पर भी अपना मत दें --मास्टर साहब मेरी ओर देखकर बोले।

देखिये बन्सु! मेरा मत है कि रोग के इलाज से अधिक महत्वपूर्ण बचाव है। वैसे भी आधुनिक अपराधशास्त्री दण्ड की जगह सुधार का प्रयोग कर रहे हैं। हमें उन कारणों पर ध्यान देना होगा जिसके चलते ऐसे काण्ड होते हैं जैसे, पारिवारिक नियंत्रण (संयुक्त परिवार का टुटना) और नैतिक शिक्षा का अभाव, विलम्ब विवाह, औपचारिक और अनौपचारिक व्यवहार के नियंत्रण के साधनों के प्रति संवेदनहीनता, उधार ली गयी शिक्षा नीति, पाश्चात्य संस्कृति की नकल, उत्तेजक पहनावा, यौन हिंसात्मक फिल्में, भौतिकवाद, व्यापक भ्रष्टाचार, आदि आदि। इन सारी विषय वस्तुओं पर, गहनता से अमल करने की सामाजिक और राष्ट्रीय सोच बननी चाहिए। सरकार के साथ साथ समाज को अधिक ध्यान देना होगा क्योंकि ये सामाजिक समस्या है और इससे निपटना भी समाज को है। --मैंने अपनी बात पूरी की। प्रो.साहब ! बात तो आप ठीक कह रहे हैं, ये एक सामाजिक मनोविज्ञान का विषय वस्तु है और ऐसे अपराधों से निपटने हेतु, परिवार, समाज और राष्ट्र, सबों को सचेत होना होगा --मास्टर साहब ने अपना निष्कर्ष रख दिया।

आजकल तो पुरे देश में लव जिहाद अर्थात मुस्लिम समुदाय द्वारा हिन्दू लड़कियों को टारगेट करके यौन हिंसा एवं धोखा देकर विवाह करने का मुहिम छेड़ दिया गया है ये भी बहुत खतरनाक स्थिति दिख रही है -- सुरेंद्र भाई ने एक और क्षेत्र की ओर ध्यान आकर्षित किया आज अब यहीं तक रहने दिया जायें मुस्लिमों द्वारा हिन्दू लड़कियों को टारगेट करना, अलग विषय है इस पर बाद में चर्चा करेंगे चलिए! मुखियाजी कल फिर मिलेंगे- कुंवरजी भी उठ गये और बैठकी.....।

8 समाज जागरण

बिहार/उत्तर प्रदेश/मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़/बंगाल/हरियाणा

नोएडा,(गौतमबुद्धनगर) बुधवार 19 अक्टूबर 2022

शिक्षा ही जीवन का आधार है,शिक्षा के साथ-साथ संस्कारो का भी हो सृजन-डॉ रोहित सिंह राजावत

(हमीरपुर)। शिक्षा और शिक्षित होना कितना जरूरी है इस विषय पर चर्चा के दौरान अभिनव प्रज्ञा पी जी कालेज सरीला के प्राचार्य डॉ रोहित सिंह राजावत ने शिक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन का आधार है बिना शिक्षा के जीवन दिशाहीन है शिक्षा के साथ साथ संस्कारो का भी सृजन जरूरी है प्राथमिक शिक्षा के समय से ही बच्चों में शिक्षा के साथ- साथ संस्कारो का सृजन करना बहुत जरूरी है भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति व महापुरुषों के संघर्ष की गाथा से भी विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का दीप जलाकर शिक्षा को गति दी जा सकती है। डॉ रोहित राजावत ने बताया कि शिक्षा और संस्कार ऐसी सम्पत्ति है जिसे कोई न चुरा सकता है न ही छीन सकता शिक्षा से जीवन में अहंकार का विनाश और स्नेह और आदर का भाव जागृत होता है जीवन में सीखने का क्रम कभी खत्म नही होना चाहिए शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है,शिक्षा और संस्कार को ग्रहण करने वाला व्यक्ति कभी जीवन में असफल नही हो सकता। शिक्षित व्यक्ति समाज में सही और गलत की पहचान बेहतर कर सकता है



शिक्षा सिर्फ किताबों तक ही सीमित नही होनी चाहिए बल्कि शिक्षित होकर उस शिक्षा का उपयोग एक सभ्य और सुंदर समाज निर्माण में भी सहायक हो,डॉ रोहित राजावत के अनुसार वास्तव में शिक्षा सभी समस्याओं का समाधान है शिक्षित होकर हमे भ्रष्टाचार, नशा,आतंकवाद,गरीबी,कन्या भ्रूण हत्या,जैसी समस्याओं को खत्म करने की कोशिश होनी चाहिए तो वही पर्यावरण ,जल संरक्षण के लिये भी सभी को जागरूक करना चाहिए।।

लालखदान में सामाजिक समरसता बनाए रखने में पंचायत की भूमिका अहम..

पहले और अब में काफी परिवर्तन नजर आ रहा है।पंचायत और यहां के नागरिकों का अपमान करने की चल रही है साजिश ...

समाज जागरण संवाददाता विवेक देशमुख

बिलासपुर)। शहर से लगी ग्राम पंचायत महमंद लालखदान को कुछ लोग बदनाम करना चाहते है। वो ऐसा क्यों कर रहे है ये तो नही पता मगर इससे पंचायत और यहां रहने वाले नागरिकों का अपमान के अलावा यहां का विकास प्रभावित हो रहा है। बिलासपुर प्रेस क्लब में पहुंचे पंचायत के पदाधिकारियों ने ये बातें क-ही भ्राम पंचायत महमंद के उपसरपंच नागेंद्र राय ने पत्र-कारों से चर्चा करते हुए बताया कि रह रह कर कुछ लोग लालखदान महमंद के नागरिकों को अपराधी बताने की चाल चल रहे है। पहले यहां जो कुछ लाला था अब ऐसा नहीं होता यहां सभी लोग आपस में सामाजिक सौहार्द बनाकर रह रहे है। समय समय पर कुछ हिन्दू संगठन से जुड़े लोग बाहर से आकर जरूर माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं मगर सुलझे हुए यहां के नागरिक और जनप्रतिनिधि उनके मंसूबों को सफल नहीं होने दे रहे है। बार-बार लाल खदान को अपराधियों का गढ़ बताने वाले लोगों के मन में क्या चल रहा है यह वही जाने मगर यहां बाहरी लोग आकर अपराध कर रहे हैं स्थानीय ग्रामीणों का बहुत ज्यादा इवॉल्वमेंट नहीं रहता। हाल ही में गांव में कट्टा कारतूस के साथ पकड़े गए असमाजिक तत्व नशेड़ी है जो पहले से ही नशा की गिरफ्त में है। बाहरी लोगों के प्रभाव ने सुनहन उन्होंने अपनी दिशा बदली है जिस पर पुलिस की सीधी कार्यवाई को पंचायत और यहां के रहने वाले नागरिकों ने प्रशंसा की है।नागेंद्र राय ने आशंका जताई कि दूसरे राजनीतिक दल के कुछ लोग यहां षड्यंत्र कर माहौल को खराब करना चाहते है जो वो होने नही देंगे। पंचायत के प्रतिनिधियों ने दुख जताया इस तरह की घटनाओं के चलते क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है। पहले के लाल खदान में और अब के लाल खदान में काफी परिवर्तन आ चुका है। स्थानीय ग्रामीण सीधे तौर पर किसी बड़ी घटना में अब इवॉल्व नहीं हो रहे हैं मगर

रामलीला मेला तिकुनियां में चंदे के नाम पर ऐंठी जा रही मोटी रकम दुकानदारो से मिली जानकारीगत वर्ष में 80 रू फिट और इस बार 100 रू फिट ऐसे ऐंठी जा रही रकम

समाज जागरण/ब्युरो प्रभाकर गीता त्रिपाठी

तिकुनियां खीरी -- तहसील निघासन क्षेत्र के अनर्गत आने वाले तिकुनियां में प्रति वर्ष श्री राम लीला मेला लगता था लेकिन दो वर्षों से कोरोना काल में नहीं लग पाया था। इस वर्ष फिर से 13 अक्टूबर 2022 से लगने वाला मेला तिकुनियां प्रभारी ने कस्बे में पारंपरिक चलने वाले श्रीराम लीला मेला का भ्रमण किया और मेला कमेटी अध्यक्ष और संचालन समिति को दिशा निर्देश देते हुए पेट भी कसे और 13अक्टूबर से चल रहे मेले में बहुत ही कम समय मे क्षेत्र में आवे तेजतरंग न्यायप्रिय कोतवाल के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले कोतवाली तिकुनियां प्रभारी राजू राय अपने सहयोगी पुलिस वल के साथ मेले का भ्रमण किया और मेला कमेटी पदाधिकारी बन्धुओं को उचित दिशा निर्देश भी दिया । भ्रमण के दौरान मेले में लग रहे बिना अनुमति के लिए रहे झूले को देखकर प्रभारी निरीक्षक विफर आवे और बिना अनुमति मेले में किसी प्रकार का संचालन न किया जाए उन्होंने कमेटी के पेंच करste हुए यह भी बताया कि मेले में किसी प्रकार की अनुशासन हीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके साथ कार्यवाही की जायेगी। मेले में

महारानी सुरथ कुमारी श्रीराम लीला मेला सिंगाही प्रबंध समिति की हुई बैठक चेरमैन उत्तम कुमार मिश्र की अध्यक्षता में 103 वां वर्ष मेला की तैयारियो को लेकर हुई बैठक

समाज जागरण/ब्युरो प्रभाकर गीता त्रिपाठी/अवधेश कुमार

सिंगाही खीरी--नगर पंचायत सिंगाही भेडौरी के अनर्गत लगने वाला वार्षिक श्रीराम लीला मेला गत दो वर्षों से कोरोना काल के चलते नहीं लग आया था लेकिन श्री राम की कृपा से इस वर्ष फिर रामलीला मेला कमेटी की प्रबंध समिति ने मेला लगाने का मन बनाया है उसी की तैयारियो को लेकर महारानी सुरथ कुमारी श्रीराम लीला मेला समिति सिंगाही की प्रबंध समिति की बैठक महारानी सुरथ कुमारी धर्म शाला में किरन शाह और चेरयरमैन की अध्यक्षता में एक बैठक की गई जिसमें यह चर्चा हुई कि मेले में किस प्रकार तैयारी हो चंदा वसूली किस तरह कराई जाये इस सभी लोगों के विचार विमर्श किया गया इस वर्ष के 103वां रामलीला मेला की तैयारियों के विषय में विचार विमर्श हुआ जिसमें 27/10/2022 दिन बृहस्पतिवार को मेले का शुभारंभ करते हुए भूमि पूजन किया जायेगा मेला लगभग 25/11/2022 तक चलेगा यह प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा तय किया गया इस बैठक में प्रवीण शाह (प्रबंधक), अनुराग



वाजिद हुसैन, प्रदीप पुरवार (पूर्व चेरयरमैन), मोहम्मद कय्यूम (पूर्व चेरयरमैन), मनीराम, जोगेन्द्र शाक्य, आदि अनेक नगर के सम्भांत व्यक्ति इस बैठक में उपस्थित रहे।

स्मृति शेष पारस मणि पांडेय को शोक सभा आयोजित कर दिया श्रद्धांजलि

दैनिक समाज जागरण ब्युरो चीफ उमाकांत साह

बांका/चांदन/मंगलवार देर शाम साढ़े छः बजे के करीब श्री श्री 108 दुर्गा मंदिर चांदन परिसर में एक शोक सभा आयोजित कर स्मृति शेष पारस मणि पांडेय के तेल चित्र पर माल्यापण कर शोक सभा का आयोजन किया। बता दें कि विगत दो पुर्व चांदन पंचायत के पाण्डेय टोला निवासी केदार पाण्डेय जी के एकलौते पुत्र पारसमणी पाण्डेय जी का किडनी ग्रसित रोग से निधन हो गया था। इनके निधन पर चांदन बाजार के समाजसेवी एवं दुर्गा पूजा समिति के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई थी।जिस्-के आलोक में दुर्गा मंदिर परिसर में शोक सभा आयोजित कर उनके चित्र माल्यापण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। तत्वश्चात उपस्थित गणमान्य एवं उनके शुभचिंतकों ने कतारबद्ध होकर दो मिनट का मौन रखा।

सुखाड़ आपदा प्रबंधन शाखा द्वारा राहत से संबंधित आवेदन

दैनिक समाज जागरण ब्युरो चीफ उमाकांत साह

बांका/चांदन/खरीफ 2022 के लिए राज्य में घोषित सुखाड़ से प्रभावित परिवारों को अनुग्रहित राशि का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से करने के लिए परिवारों की सूची एमआईसी के आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर अपलोड संबंधित जिला के जिला अधिकारियों के निर्देश पर प्र-खंड के सभी लाभाभ्यन्त लाभुकों का आपदा राहत फार्म भरा जा रहा है। ज्ञात हो कि राज्य में अल्प एवं अनियमित वषापात के फलस्वरूप उपन्न सुखाड़ की स्थिति राज्य के 96 प्रखंड के 937 पंचायत अंतर्गत 7841 राजस्व गांव में है। वहीं बांका जिले के 11 प्रखंडों के 160 गांका पंचायतों के 1740 राजस्व ग्राम का सर्वे धरातल पर किया जा है। जिसमें चांदन प्रखंड के 17 पंचायत को 313 राजस्व ग्राम का सुखाग्रस्त घोषित किया गया है। जिसे लेकर



इस मौके पर मुख्य रूप से हरे कृष्णा पांडेय पीडीएस दुकानदार प्रियचंद्र आजाद, वीरेंद्र पांडेय, संजय मालाकर, हेमंत दुबे, प्रिंस प्रकाश, पूजा समिति के सचिव अशोक शर्मा, आदित्य पोद्दार, परमानंद साह, प्रभात पांडेय, रुपेश पांडेय, अनिल बाजपेई, अवधेश वर्मा, पंकज पांडेय, अप्पू अनंत आदि परिजनों के साथ सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।



प्रखंड के बीडीओ, सीओ, अंचल राजस्व पदाधिकारी आदि को ग्रामीण इलाकों से सूचना मिल रही है कि पंचायत के वार्ड सदस्यों द्वारा फार्म लिया जा रहा है। बीडीओ ने स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि, प्रखंड मुख्यालय से प्रत्येक पंचायत के वार्ड वार सर्वे टीम सदस्य स्वयं डोर-टू-डोर जाकर आवेदन प्राप्त करेंगा। चांदन बीडीओ राकेश कुमार ने 16 अक्टुबर को प्रखंड के सभी मुखिया के साथ बैठक कर साफ सुथरा माहौल में किसानों का सुखाड़ आपदा राहत से संबंधित आवेदन

आधार कार्ड, बैंक पासबुक का छाया प्रति, मोबाइल नंबर के साथ देने के लिए कहा गया है। बीडीओ ने स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि राशन कार्ड का छाया प्रति एवं जमीन से संबंधित मालगुजारी रसीद आदि की अनिवार्यता नहीं है। बीडीओ ने पंचायत के वार्ड सदस्य के चंगुल में नहीं आने के लिए कहा है। सुखाड़ से आपदा राहत फार्म प्राप्त करने के एक भी रुपया किसी को नहीं देनेी है। शिकायत मिलने पर ऐसे वार्ड सदस्यों पर कार्रवाई करने की भी बात कही गई है।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध मैत्री महासम्मेलन का हुआ समापन

निर्भया को याद कर भावुक हुई,, सीमा समृद्धि कुशवाह अधिवक्ता

दैनिक समाज जागरण बालाघाटजनपद क्षेत्र अंतर्गत बुद्ध भूमि उमरी में सामाजिक एवं ग्रामीण उद्यमिता विकास समिति के तत्वावधान में 66 वे धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के उपलक्ष्य में भव्य अंतरराष्ट्रीय बौद्ध मैत्री महासम्मेलन का आयोजन किया गया । आयोजित महासम्मेलन में बौद्ध भिक्षवू संघ के अलावा सुप्रीम कोर्ट एवं निर्भया, हाथरस कांड की वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री सीमा समृद्धि कुशवाह, फिल्म अभिनेता गगन मालिक के मुख्य आतिथ्य तथा नितिन गजभिए(नागपुर), मोहनराव वाकोडे(इंदौर), पी. एस. खोन्नागड़े(नागपुर), प्रवीण कांबले (नागपुर), डॉ. हेमंत हिरोले(इंदौर), विनय बोधि (चंद्रपुर), सिम्ता वाकडे (नागपुर), वर्षा मेश्राम (नागपुर) के विशेष आतिथ्य में सम्मन हआ।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ,महाराष्ट्र , म प्र से भारी संख्या में बौद्ध अनुयायियों व गणमान्य नागरिको ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष भिक्खू संघ के मार्गदर्शन में समस्त बौद्ध अनुयायियों के द्वारा विधिवत रूप से, त्रिशरण, पंचशील एवं धर्मदेशना ग्रहण की गई। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ भिक्खु संघ एवं आमंत्रित मुख्य अतिथियों, विशेष अतिथियो के द्वारा तथागत गौतम बुद्ध तथा भारत रत्न परम पुन्य डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया।

उन्होंने कटुआ,हाथरस, महीला उत्पीड़न के अन्य प्रकरण पर प्र-काश डाला। आपने संविधान के माध्यम से महिलाओ को प्रदत्त अधिकारो मानवता के सिद्धांत ,और समानता को समाज को प्रस्थापित करने पर जोर देते हुए सभी को एकजुट होने का आह्वान किया।

हर घरों में बुद्ध एवं उनका धम्म पहुंचना लक्ष्य..

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेता गगन मालिक ने कहा कि उनका उद्देश्य हर घरों में धम्म को पहुंचना है जिसके लिए उन्होंने गगन मलिक फाऊंडेशन के माध्यम से 84 हजार भगवान बुद्ध की प्रतिमा का वितरण किया जा रहा उन्होंने अपने अभिनय एवं बौद्ध अन्य विषयों पर खुलकर अपनी बात साझा की.. तथा बाबा साहब डॉ अंबेडकर के भारत को बौद्ध मय बनाने के स्वप्न को साकार करने में अपनी भूमिका का वर्णन किया। प्रतिमा का वितरण,,,,, गगन फाऊंडेशन के प्रमुख फिल्म अभिनेता गगन मलिक ने मंच के माध्यम बोद्ध अनुयायियों व अन्य नागरिकों को प्रतिमाओं का वितरण किया वहीं सामाजिक ग्रामीण उद्यमिता विकास समिति के अध्यक्ष एन एस मेश्राम, समाजसेवी ईंजि प्रशांत भाऊ के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रतिभावान छत्र छत्राओं को किया सम्मानित,,, समाजिक ग्रामीण उद्यमिता विकास समिति द्वारा 85 प्रतिशत अंकों उत्तीर्ण हुये बोर्ड परीक्षा के छत्र छत्राओं को अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया

कोराना योद्धाओं का सम्मान,,,,,,,

सेक्टर-75 में छठ घाट का निर्माण कार्य जोरों पर,28 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व होगा शुरू

देव मणि शुक्ल ब्युरो प्रभारी नोएडा अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्री सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया है कि सूर्योपासना के महान पर्व छठ की तैयारियां सेक्टर-75 में जोरों से शुरू हो गई हैं।भगवान सूर्य को अर्घ्य देने हेतु सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में एक बड़ा छठ घाट निर्मित किया जा रहा है।छठघाट 50 फीट लम्बा,15 फीट चौड़ा और 4 फीट गहरा होगा।घाट में जल, प्रकाश आदि की उत्तम व्यवस्था की जायेगी।श्री शर्मा ने बताया कि सूर्योपासना का महान छठ पर्व 28 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन नहाय- खाय के साथ शुरू हो रहा है।29 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल पंचमी के दिन खरना की पूजा होगी।30 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल षष्ठी के सायंकाल अस्ताचलमायी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।31 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल सप्तमी के प्रातःकाल उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया है कि 30 अक्टूबर को सायंकाल श्री सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा सेक्टर-71 के सेंट्रल पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जायेगा।प्रसिद्ध गायिका क्षमा पांडेय, प्रीति प्रकाश, देवेश कुंदन, पूजा मंडल सहित कई गायकों और गायिकाओं द्वारा भोजपुरी, हिंदी, मगही, मैथिली, आँगका, पंजाबी गीतों का प्रस्तुतीकरण किया जायेगा।

गोवंश की रक्षा एवं वर्धन करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य – साध्वी कालिंदी भारती

देव मणि शुक्ल ब्युरो प्रभारी नोएडा दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा सेक्टर-43, छलेरा, नोएडा, उत्तर प्रदेश में श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस



साध्वी कालिदी भारती जी ने कहा कि गौ की रक्षा व संवर्धन के लिए स्वयं परमात्मा इस धरती पर आते, वैदिक काल से मानव जीवन का आधार यज्ञ, दान व तप को माना गया है। यदि गहराई से विचार किया जाए तो इन सब का आधार सिर्फ गौ ही है। यदि भारतीय संस्कृति की व्याख्या संक्षेप में करनी हो तो यह गौ रूप है। गौ जैसा परोपकारी जीव हमें मेहनत व शांत जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कथा के दौरान कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गौवंश के साथ प्रेम करके समस्त मानव जाति को गौ प्रति उदार बनने की प्रेरणा प्रदान की है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य बनता है कि हम गोवर्ष का वर्धन करे और भारतीय गायों की रक्षा करें। डा.धीरेंद्र सिंह मा.विधायक जेवर विधानसभा,के.एन विकास गुप्ता मा.राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार,डा.विशाल सिंह चौहान मुख्य यजमान, मानसिंह. चौहान, करतार सिंह चौहान,मुकुल वाजपेई मीडिया प्रभारी,संजय चौहान,राज कुमार चौधरी,चेतन चौहान, योगेन्द्र चौहान, रामबीर शर्मा, सीता राम लाला आदि उपस्थित रहे।

एशिया रिकॉर्ड बनाने पर चैलेंजर्स ग्रुप ने मनाया उत्सव शिरोज हैंगआउट में बच्चों के साथ मनाई खुशी

नोएडा एशिया बुक में रिकॉर्ड दर्ज कराने के बाद चैलेंजर्स ग्रुप ने झुगियों के बच्चों के साथ मिलकर उत्सव मनाया। इस दौरान कई सामाजिक संगठनों के साथ-साथ अधिकारी भी मौजूद रहे। संस्था ने पांच सितंबर को बच्चों के साथ मिलकर राधाकृष्ण सर्वपल्ली के जन्मदिन की खुशी में उनकी पेंटिंग बनाकर एशिया बुक में अपना नाम दर्ज कराया था जिसके 21 दिन बाद संस्था को अवार्ड से भी नवाजा गया था। इसकी खुशी में संस्था ने सेक्टर-21 ए स्थित शिरोज हैंगआउट में 60 बच्चों के साथ मिलकर उत्सव मनाया। संस्था के सदस्यों ने दिवाली पर दीप भी जलाए। वहीं बच्चों ने नृत्य प्रस्तुतियां भी दीं। बच्चों के परिजनों ने संस्था के इन प्रयासों को सराहा। वहीं सामाजिक संस्थाओं से आए लोगों ने चैलेंजर्स ग्रुप की पीठ थपथपाई। संस्था के अध्यक्ष प्रिंस शर्मा ने इस दौरान कहा कि यह सिर्फ अभी शुरूआत है। इन होनाहार बच्चों के प्रयासों से यह संस्था अभी आगे और भी लंबी लड़ाई लड़ने जा रही है। इन बच्चों ने संस्था को आज उस मुकाम पर पहुंचा दिया है। जहां कभी सोचा भी नहीं गया था। यह संस्था हमेशा इन बच्चों के लिए समर्पित रहेगी। वहीं बीते सप्ताह में आईआरएस अधिकारी साहिल सेठ, जेवर के विधायक धरेंद्र सिंह, अनुपशहर विधायक संजय शर्मा, मशहूर यूट्यूबर्स नजर बद्द और देविका गुप्ता जैसे कलाकारों ने पाठशाला में अपनी शिरकत दर्ज करा बच्चों के साथ इस सफलता की खुशी बाँट बच्चों का हौसला बढ़ा आगे और अधिक जीत हाँसिल करने हेतु संस्था को प्रेरित किया। बच्चों की इस सफलता की खुशी में आयोजित चैलेंजर्स के उत्सव में अशोक श्रीवास्तव, रंजन तोमर, विक्रम सेठी, मनीष, निशु, शैलेंद्र, विवेक, रश्मिका, रीतिकா आदि मौजूद सदस्य मौजूद रहे।

असम करीमगंज जिले के दुल्लभछड़ा निभीया-चेरागी वन विभाग के कार्यकर्ताओं के संयुक्त अभियान में वांगीरबंद में से बालू तस्करी मशीन को जब्त किया

असम संवाददाता दैनिक समाज जागरण : पिछले कुछ दिनों से दोहालिया और चेरगी पर्वतमाला से बालू तस्करी की खबर दैनिक समाचार पत्रों और पोर्टल चैनलों में प्रकाशित हो रही है और वन विभाग के क र्म चार्री ने आक्रोशित हैं. गुप्त सूत्रों के आधार पर आज 18 अक्टूबर (मंगलवार) को लगभग 3 बजे राताबाड़ी विधानसभा के चेरगी रेंज के वांगीरबंद में सिंगला नदी झूलन पूल के किनारे से चलती रेत अवैध तरीके से उठाने वाली मशीन को जप्त कर चेरगी रेंज भेजा गया. दुल्लभछड़ा वन बॉट अधिकारी फैज उद्दीन बरभुथी में आयोजित चैलेंजर्स के उत्सव और चेरगी वन विभाग के कर्मियों द्वारा संयुक्त अभियान में मशीन को जप्त किया गया ।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।



खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनजी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से

इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रूकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रूकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूके के संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रहना बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारु गथेटा का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट्स में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रही तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।



कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।' यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खराब आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खराब आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 13.2% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं। एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है',

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सीडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती है।



दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिका यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन।

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
 - अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
 - धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
 - कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
 - अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
 - जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष खयाल रखें।
 - सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
 - एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।
- ... तो जानाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।



सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें ऐंटीऑक्सिडेंट, ऐंटी-इंफ्लेमेटरी और ऐंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दर्द, अस्थिमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में

सैंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सैंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सैंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सैंधा नमक खाना शुरू कर दें। सैंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन,

कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सैंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सैंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सैंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सैंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी को समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सैंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरक्षा क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के

शामिल है तो आप अर्जुन फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांस प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सैंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सैंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सैंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी को समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सैंधा नमक में डिकॉनोस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थिमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। रक्तचाप को करे बैलेंस सैंधा नमक में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सैंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।



